

children to mould their lives for better future ...(Interruptions)... In Chennai, a group of Hindus have organized an exhibition in which more than 1800 teachers participated ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Kanimozhiji, don't say Hindus and Muslims. You can give notice; that will be examined ...(Interruptions)... Kanimozhiji, you give notice. That will be examined. ...(Interruptions)... No, no. Kanimozhiji, don't bring the question of Hindus and Muslims here. You give notice. We will examine it. Please sit down(Interruptions)... I told you that you give notice, it will be examined. Now, sit down.(Interruptions)... Now, the hon. Home Minister to make a statement.(Interruptions)...

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): डिप्टी चेयरमैन सर, वैसे जो स्टेटमेंट मैं देने जा रहा हूँ, उसकी कॉपी राज्य सभा कार्यालय को भेजने के लिए मैंने निर्देशित किया है, शायद वह आ गई होगी। ...(व्यवधान)...

SHRIMATI KANIMOZHI: Sir, we have not received it...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, listen to him ...(Interruptions)...

श्री राजनाथ सिंह: डिप्टी चेयरमैन सर, मैं सभी सम्मानित सदस्यों से क्षमा चाहूँगा और एक अनुरोध यह भी करना चाहूँगा कि आज मैं यहां पर स्टेटमेंट दे रहा हूँ और फिर 12 बजे मुझे लोक सभा में भी स्टेटमेंट देना है, तो मैं जानता हूँ कि यहां की परंपरा है कि *suo motu* Statement देने के बाद हमारे ऑनरेबल मेम्बर्स कुछ questions पूछ सकते हैं। मैं आपसे यह अनुरोध करना चाहूँगा...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, you can move after 12 o' clock.

श्री राजनाथ सिंह: या तो ऑनरेबल मेम्बर्स Monday को questions पूछ लें और आज मैं स्टेटमेंट दे देता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; today itself. Upto 12 o'clock, we will seek clarifications.

STATEMENTS BY MINISTERS — *Contd.*

On visit of Home Minister to attend 7th meeting of SAARC Interior/Home Ministers

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): डिप्टी चेयरमैन सर, सार्क गृह मंत्रियों की सातवीं बैठक में मैंने दिनांक 4.8.2016 को भाग लिया।

2. इस बैठक में मुख्य एजेंडा आतंकवाद, narcotic drugs की तस्करी, cyber crime एवं human trafficking थे। लगभग सभी देशों ने आतंकवाद की घोर भर्त्सना की।

[श्री राजनाथ सिंह]

3. भारत की ओर से मैंने आतंकवाद पर विशेष बल दिया। मुझे विश्वास है कि सदन के सभी सम्मानित सदस्य इस बात से सहमत होंगे, क्योंकि दक्षिण एशिया में शान्ति और खुशहाली के लिए सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ा खतरा भी आतंकवाद ही है। मैंने इस बुराई को जड़ सहित उखाड़ फेंकने का पक्का संकल्प करने का आह्वान किया।

4. मैंने सार्क के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे आतंकवाद को न तो glorify करें, न ही patronage दें। एक देश का आतंकवादी किसी के लिए भी martyr या स्वतंत्रता सेनानी नहीं हो सकता है। आतंकवाद को बढ़ावा नहीं मिले, इस हेतु, मैंने कहा कि जरूरी है कि न सिर्फ आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध, बल्कि उन्हें समर्थन देने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं, संगठनों और राष्ट्रों के विरुद्ध भी कठोर से कठोर कदम उठाए जाने चाहिए। आतंकवाद की हैवानियत से तभी निपटा जा सकेगा।

5. इसके अलावा मैंने सार्क के गृह मंत्रियों की इस बैठक में भारत की ओर से निम्न सुझाव रखे :

- (i) आतंकवादियों पर विश्व समुदाय की सहमति से लगाए गए प्रतिबंध का सम्मान किया जाए।
- (ii) अच्छे और बुरे आतंकवाद में भेद करने की भूल कदापि न की जाए।
- (iii) आतंकवाद को बढ़ावा या समर्थन देने वाले सभी स्टेट्स अथवा नॉन स्टेट्स एक्टर्स के विरुद्ध प्रभावी कदम आवश्यक हैं।
- (iv) आतंकवाद में सम्मिलित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए और उनका extradition सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि वे कानून से न बच पाएं। माननीय उपसभापति जी, क्योंकि कई लोग wanted हैं।
- (v) पाँचवीं बात, जो मैंने कही थी, वह SAARC Convention on Mutual Assistance on Criminal Matters को उन देशों द्वारा ratify किया जाना आवश्यक है, जिन्होंने अभी तक इसको ratify नहीं किया है।
- (vi) मैंने छठी बात कही थी, SAARC Terrorist Offences Monitoring Desk और SAARC Drug Offences Monitoring Desk को उन देशों की सहमति की आवश्यकता है, जिन्होंने अभी तक इस पर अपनी सहमति नहीं दी है। मैंने भारत में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में Track Child और Operation Smile जैसे उठाए गए कदमों की ओर सार्क गृह मंत्रियों का ध्यान आकर्षित किया। भारत द्वारा ईमानदार, transparent और accountable governance हेतु "जन, धन योजना" और "आधार" जैसे कार्यक्रमों से भी सार्क गृह मंत्रियों को अवगत कराया।
- (vii) भारत की ओर से सार्क गृह सचिवों एवं गृह मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत द्वारा निम्न initiatives की भी घोषणा की गई।
- (क) पहला, STOMD और SDOMD को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु भारत की ओर से तकनीकी सहायता, यानी technical assistance देने को तैयार हैं।

- (ख) दूसरा, भारत में 22-23 सितंबर, 2016 को सार्क Anti-Terrorism Mechanism के एक्सपर्ट्स की बैठक का आयोजन। सौभाग्य से सभी सदस्य देशों ने इस बैठक में भाग लेने पर अपनी सहमति दी है।
- (ग) नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु भारत द्वारा सार्क सदस्य देशों के अधिकारियों को विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण।
- (घ) सार्क देशों की Computer Emergency Response Teams की पहली बैठक भारत में आयोजित करने का भी मैंने प्रस्ताव किया।
- (viii) जहां तक हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान का सवाल है, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि SAARC Convention on Mutual Assistance on Criminal Matters को उसने अभी तक ratify नहीं किया है। STOMD और SDOMD हेतु भी उनकी सहमति अभी शेष है। पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि वे इस ओर शीघ्र कार्यवाही करेंगे। मैं आशा करता हूं कि यह "शीघ्र", वास्तव में शीघ्र होगा।
- (ix) दक्षिण एशिया क्षेत्र समेत पूरी दुनिया में आतंकवाद के गहरे बादल मँडरा रहे हैं। पूरी world community इस गंभीर खतरे से बेहद चिंतित है, ऐसा सर्वविदित है। यह इस बात से भी स्पष्ट है कि भारत ने इस मानवता विरोधी खतरे पर अपना स्पष्ट मैसेज तो दिया ही, साथ में लगभग सभी सदस्यों ने भी इस हैवानियत पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं इस बात पर बल देना चाहता हूं कि भारत का यह मैसेज मानवता की खातिर और मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए है। माननीय सदस्य इस बात पर सहमत होंगे कि प्रमुख रूप से आतंकवाद ही मानवाधिकारों का सबसे बड़ा दुश्मन है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

DR. SUBRAMANIAN SWAMY (Nominated): Sir, the whole House, I am sure, would like to congratulate our Home Minister for his clear, courageous and tough stand against terrorism, which he has taken in Pakistan. But I would like to seek one clarification. Even at an official level of as high as Prime Minister, they are daily talking about the disintegration of India with regard to Kashmir, and so on. I would like to know whether the Home Minister spoke to the Prime Minister of Pakistan and reminded him that his own backyard was falling upon – Baloch is going in one direction, Pakhtun is going in another direction, Sindh is going in another direction. He should have expressed sympathy and offered cooperation to keep Pakistan in one piece; and, that they should not concentrate on India, rather they should concentrate on their own backyard. Did he raise any issue on this matter?

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आजाद): सर, माननीय गृह मंत्री जी का, SAARC Interior Ministers की मीटिंग के लिए जो पाकिस्तान का दौरा था, उसका हम स्वागत करते हैं। उसमें विशेष रूप से जो इश्यूज थे, जैसे terrorism, smuggling, narcotic drugs, cyber crime, human trafficking इत्यादि, ये वे तमाम मुद्दे हैं, जिनका हमारे मुल्क पर बहुत बुरा असर पड़ा है।

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

वैसे तो इस वक्त टेरेरिज्म का पूरे विश्व में, पूरी दुनिया में खौफ, भय और डर है, लेकिन हमारे यहां, विशेष रूप से यह कश्मीर से शुरू हुआ और अब दूसरी जगहों में भी आहिस्ता-आहिस्ता आगे बढ़ रहा है। फिर smuggling और narcotic drugs का असर भी हमारे देश के अलग-अलग regions में है। वहां ये सब मुद्दे उठाए गए, इसका हम स्वागत करते हैं। शायद हमसे और हमारी पार्टी से ज्यादा किसी दूसरी पार्टी को terrorism से उतना असर नहीं हुआ होगा, क्योंकि हमने अपने दो-दो Prime Ministers, terrorism के कारण ही खोए हैं, एक श्रीमती इन्दिरा गांधी जी और बाद में श्री राजीव गांधी जी, साथ ही पंजाब के चीफ मिनिस्टर श्री बेअंत सिंह जी। दूसरी पार्टीज के भी कई सीनियर लीडर्स इस terrorism का शिकार हुए हैं। कश्मीर में तो पिछले कई सालों से हजारों की तादाद में नौजवान, बच्चे, बूढ़े और औरतें इस terrorism का शिकार होते रहे हैं।

मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी पार्टी और बीजेपी के चाहे कुछ भी मतभेद रहे हैं, वे हमारे देश के अंदर ही हैं, लेकिन जब इस देश के कोई प्रधान मंत्री या गृह मंत्री विदेश जाते हैं, किसी भी दूसरे देश में जाते हैं, तो वे भारत देश का नेतृत्व करते हैं, लेकिन हमें यहां पर टेलिविजन से ये खबरें मिली हैं कि ऑनरेबल होम मिनिस्टर को पाकिस्तान की मीडिया के द्वारा कवर नहीं किया गया और उनको कवर करने भी नहीं दिया गया, बल्कि ब्लैक आउट किया गया। साथ ही उनको वे तमाम प्रोटोकॉल भी नहीं दिए गए, जो दूसरे देश के मंत्री को दिए जाते हैं। सार्क कंट्रीज में हिन्दुस्तान का, हमारे मुल्क का एक खास मुकाम है। साइज के हिसाब से भी और अदरवाइज भी international level पर हमारे हिन्दुस्तान का जो रोल है, उसके हिसाब से अगर वह प्रोटोकॉल उन्हें नहीं दिया गया, तो इसकी हम घोर निन्दा करते हैं। हमें यह भी मालूम हुआ कि जो होस्ट था, वह भी गायब था, इसकी भी हम घोर निन्दा करते हैं। लेकिन आपने इश्यूज उठाए, हम उन्हें पूरी तरह से appreciate करते हैं और उनका समाधान निकालने के लिए हम आपके साथ हैं, धन्यवाद।

آقائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد): سر، مان ئے گرہ منتری جی کا ، SAARC Interior Ministers کی میٹنگ کے لئے جو پاکستان کا دورہ تھا، اس کا ہم سواگت کرتے ہیں۔ اس میں خاص طور جو ایشوز تھے، جیسے terrorism, smuggling, narcotic drugs, cyber crime, human trafficking وغیرہ، یہ وہ تمام مدّے ہیں، جن کا ہمارے ملک پر بہت برا اثر پڑا ہے۔

ویسے تو اس وقت ٹیریزم کا پورے وشو میں، پوری دنیا میں، خوف، بھے اور ڈر ہے، لیکن ہمارے یہاں، خاص طور سے یہ کشمیر سے شروع ہوا اور دوسری جگہوں میں بھی آہستہ آہستہ آگے بڑھ رہا ہے۔ پھر اسمگلنگ اور نارکوٹک ڈرگس کا اثر بھی ہمارے دیش کے الگ الگ ریجنس میں ہے۔ وہاں یہ سب مدّے اٹھائے گئے، اس کا ہم سواگت کرتے ہیں۔ شاید ہم نے اور ہماری پارٹی سے زیادہ کسی دوسری پارٹی کو ٹیریزم سے اتنا اثر نہیں ہوا ہوگا، کیوں کہ ہم نے اپنے دو-دو پرائم منسٹرس، ٹیریزم کی وجہ سے ہی کھوئے ہیں، ایک شریمتی اندرا گاندھی جی اور بعد میں شری راجیو

† Transliteration in Urdu script.

گاندھی جی، ساتھ ہی پنجاب کے چیف منسٹر شری بی -انت سنگھ جی- دوسری پارٹیز کے بھی کئی سینئر لیڈرس اس ٹیریزم شکار ہوئے ہیں۔ کشمیر میں توپچھلے کئی سالوں سے ہزاروں کی تعداد میں نوجوان، بچے، بوڑھے اور عورتیں اس ٹیریزم کا شکار ہوتے رہے ہیں۔

میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ ہماری پارٹی اور بی-جے-پی کے چاہے کچھ بھی مدبھید رہے ہوں، وہ ہمارے دیش کے اندر ہی ہے، لیکن جب اس دیش کے کوئی پردھان منتری یا گرہ منتری ودیش جاتے ہیں، کسی بھی دوسرے دیش میں جاتے ہیں، تو وہ بھارت دیش کی قیادت کرتے ہیں، لیکن ہمیں یہاں پر ٹیلی ویژن سے یہ خبریں ملی ہیں کہ آنریبل ہوم منسٹر کو پاکستان کی میڈیا کے ذریعے 'کور' نہیں کیا گیا اور ان کو کور کرنے بھی نہیں دیا گیا، بلکہ بلیک آؤٹ کیا گیا۔ ساتھ ہی ان کو وہ تمام پروٹوکول بھی نہیں دئے گئے، جو دوسرے دیش کے منتری کو دئے جاتے ہیں۔ سارک کنٹریز میں ہندوستان کا، ہمارے ملک کا ایک خاص مقام ہے۔ سائز کے حساب سے بھی اور اس کے علاوہ بھی انٹرنیشنل لیول پر ہمارے ہندوستان کا جو رول ہے، اس کے حساب سے اگر وہ پروٹوکول انہیں نہیں دیا گیا، تو اس کی ہم گھور نندا کرتے ہیں۔ ہمیں یہ بھی معلوم ہے کہ جو ہوسٹ تھا، وہ بھی غائب تھا، اس کی بھی ہم گھور نندا کرتے ہیں۔ لیکن آپ نے ایشوز اٹھائے، ہم انہیں پوری طرح سے appreciate کرتے ہیں اور ان کا سمدھان نکالنے کے لئے ہم آپ کے ساتھ ہیں، دھنیواد۔

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, for the last eighteen years of Trinamool Congress, we have always been firmly behind the Government on the international issues. It is no different today. We are completely on board and welcome the statement. I have a specific clarification to seek. There are two stories going around. It would be better if the hon. Minister clarifies this once and for all because it would be good for all of us in the House. There is one view that the Doordarshan and the ANI, which went there, were not given an opportunity. Your speech was actually deliberately blacked out. Hence, they were not allowed. Was that the case? Or, secondly, there are some people who are trying to spread some other rumours saying that there have, actually, been precedents. If it has been the first time, it is a matter of serious concern, Sir. Obviously, we are completely behind you. But, since there are two stories going around, it is better if you clarify, once and for all, that it is the first time, because, then, as the Leader of the Opposition said, we take strong exception to something like this being done to the Home Minister of India. Thank you, Sir.

सुश्री मायावती (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, माननीय गृह मंत्री जी ने सार्क सम्मेलन में अपने भारत देश की तरफ से, खास तौर से कुछ मुद्दों को लेकर और आतंकवाद

[सुश्री मायावती]

को लेकर खुलकर जो अपनी बात वहां रखी है, इसका हमारी पार्टी समर्थन करती है, तहेदिल से समर्थन करती है। मेरा तो यही कहना है कि सभी दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर इस मुद्दे पर साथ रहना चाहिए। पिछले दो-तीन दिनों से जो मीडिया में आ रहा है, आपकी बात रखने के बाद जिस तरीके से वहां के मीडिया को आपकी सभी बातों को दर्शाना चाहिए था, उन्हें नहीं दर्शाया गया। इसके साथ-साथ ही जो पाकिस्तान का रवैया इंडिया के प्रति सही नजर आना चाहिए था, वह नजर नहीं आया। इसको लेकर मैं माननीय गृह मंत्री जी से चाहूंगी कि आप माननीय प्रधान मंत्री जी से बात करें और जो भारत-पाकिस्तान के संबंध हैं, उन संबंधों को लेकर जो नीति बनी हुई है, उसके ऊपर क्या आप थोड़ा सा पुनर्विचार करेंगे?

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): श्रीमन, माननीय गृह मंत्री जी सार्क देशों के गृह मंत्रियों के सम्मेलन में पाकिस्तान गए। वहां उन्होंने जो बातें कहीं, उन्हें यहां प्रमुखता से हमारे मीडिया ने प्रसारित भी किया। जिस तरह टेररिज्म पर और अन्य मसलों पर माननीय गृह मंत्री जी ने अपनी बात वहां रखी, वह प्रशंसनीय है, हम उसका स्वागत करते हैं और हिन्दुस्तान की जनता चाहती भी यही है कि इतनी सख्ती से बात की जाए, क्योंकि पाकिस्तान नम्रता से कोई बात सुनने का आदी नहीं है। जब गृह मंत्री जी वहां बात कर रहे थे, तो यहां कश्मीर में आतंकवादी देश के खिलाफ काम करने के लिए वहां के लोगों का सहयोग मांग रहे थे। ऐसा पाकिस्तान की शह पर, पाकिस्तान के समर्थन से आतंकवादियों द्वारा लगातार किया जा रहा है। इस दृष्टि से गृह मंत्री जी ने जो वहां सख्त रुख अख्तियार किया, जिसकी चर्चा सारे मीडिया में है, वह निश्चित रूप से अच्छी बात है। मैं चाहूंगा कि सीमा पर भी न केवल बीएसएफ के लोग, बल्कि आर्मी के भी जो लोग हैं, वे भी बहुत सख्ती करें, हर बार उन्हें अनुमति लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, उनको छूट होनी चाहिए कि जब आतंकवादी आए तो उनके साथ किस तरह का व्यवहार किया जाए। मैं चाहूंगा कि गृह मंत्री जी जब इस पर अपनी बात कहें, तो जरूर कहें कि हमने बीएसएफ को, हमने अपनी आर्मी को, वहां मौके पर वे क्या कदम उठाए उसकी छूट दी है, उसके लिए उनको गृह मंत्री या डिफेन्स मिनिस्टर की तरफ न देखना पड़े।

श्री शरद यादव (बिहार): डिप्टी चेयरमैन सर, भारत के गृह मंत्री राजनाथ सिंह जी वहां गए थे। सभी सदस्यों के साथ मैं भी यह मानता हूँ कि उनका वहां जाना पूरे देश की तरफ से उसमें शिरकत करने जैसा था। लेकिन वहां पर प्रोटोकॉल से लेकर हर चीज में पाकिस्तान का जिस तरह का व्यवहार था, उसकी मैं घोर निन्दा करता हूँ। पूरा देश इस मामले में एक है।

इसके साथ ही मैं यह कहना चाहता हूँ कि अभी राजनाथ जी का जो बयान है, वह तो वाजिब है। उन्होंने वहां चीजें रखी हैं, लेकिन साथ-साथ कल से मीडिया में जो प्रचार चल रहा है, विदेश मंत्रालय ने अपनी तरफ से जो बयान और वक्तव्य दिए हैं, उसमें फर्क है। जो विदेश मंत्रालय है, उसका यह मानना है कि परम्परा है कि जब सार्क सम्मेलन होता है, तो सार्क सम्मेलन का जो होस्ट होता है, उसकी बात तो मीडिया में जा सकती है, लेकिन बाकी लोगों के बारे में.. आप ठीक कह रहे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह बात कही है, श्री स्वरूप ने यह बात कही है। तो यह मुझे लगता है कि यह दो बातें, दो चीजें नहीं होनी चाहिए। विदेश मंत्रालय की तरफ से जो बातें आ रही हैं.. जो गृह मंत्री जी कह रहे हैं, मैं उस पर यकीन करता हूँ, उसको ही ठीक मानता हूँ। लेकिन जो बात विदेश मंत्रालय की तरफ से कही गई है, उसमें मुझे फर्क लगता है। हो सकता है कि यह आपके संज्ञान में न हो, लेकिन मैंने स्वयं इसको देखा है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Navaneethakrishnan. You asked me. That is why I called you.

SHRI A. NAVANEETHAKRISHNAN (Tamil Nadu): Thank you hon. Deputy Chairman.

Sir, terrorism is very strongly opposed by our hon. Chief Minister, Amma. It is a well known fact. Now, our hon. Home Minister has very boldly made out a case of India before the SAARC countries. As per the reports – subject to correction – our hon. Home Minister was not properly treated in Pakistan, and even without taking food, he returned back to India. One of the news channels is showing it. So, I would like to know: What had happened in Pakistan? How was the treatment? Thank you, Sir.

श्री दिलीप कुमार तिकी (ओडिशा): सर, हमारे ऑनरेबल होम मिनिस्टर साहब ने सार्क की मीटिंग में जितने भी मुद्दे रखे हैं, खास तौर पर आतंकवाद को लेकर जो प्वायंट्स स्ट्रांगली रखे हैं, इसका हमारी पार्टी समर्थन करती है। अच्छी बात यह देखने को मिली कि पाकिस्तान के साथ one-to-one meeting नहीं हुई। यह अच्छी बात है। साथ ही साथ आप जो consistency दिखा रहे हैं, हम उसका भी समर्थन करते हैं। लेकिन एक बात जो सामने दिख रही है कि पाकिस्तान की तरफ से आपके स्टेटमेंट के समय हमारी मीडिया को वहां प्रवेश करने से मना करना, उसे वहां पब्लिश न करना, पाकिस्तान में पब्लिश न करना और उसे दुनिया को न दिखाना, यह सोचने वाली बात है। इसके ऊपर आप क्या करने वाले हैं?

श्री माजीद मेमन (महाराष्ट्र): सर, गृह मंत्री जी के इस बयान के बाद इस सदन में हमारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से मैं गृह मंत्री जी को मुबारकबाद पेश करूंगा कि उन्होंने एक बहुत ही bold stand लिया और आतंकवाद के बारे में भारत का जो विचार है, उसको उन्होंने स्पष्ट तरीके से पेश किया। हम जो खंडन करना चाहते हैं, वह यह है कि इस्लामाबाद में हमारे भारत के खिलाफ, हमारे भारत के रिप्रिजेंटेटिव गृह मंत्री जी जो वहां गए थे, उनके खिलाफ प्रदर्शन किया गया, उसका हम निषेध करते हैं, यहां खंडन करते हैं और पाकिस्तान सरकार से इसके बारे में जवाब मांगते हैं कि यह कोई तरीका नहीं है कि सार्क सम्मेलन में एक मेहमान के खिलाफ ऐसा व्यवहार किया जाए।

सर, मैं एक बात जरूर कहूंगा कि माननीय गृह मंत्री ने वहां भोज का बहिष्कार करके एक अच्छा संदेश दिया है। साथ ही साथ क्लॉज 8 में जो उन्होंने स्टेटमेंट में पढ़ा, इनको ratify करने के लिए soon ratification का जो वादा है, मुझे विश्वास है कि भारत सरकार, हमारे गृह मंत्री इस soon को persue करेंगे और यह ratification किए बगैर चैन नहीं लेंगे।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I appreciate the statement given by the Home Minister. I also join the entire House to appreciate the five suggestions made by our Home Minister in the SAARC meeting. They have been stated in Point No. 5.

Sir, my pointed clarification is on Point No. 8 where you have said, “In so far as our neighbour is concerned, Pakistan is yet to ratify the SAARC Convention on

[Shri D. Raja]

Mutual Assistance on Criminal Matters. Pakistan is also yet to convey its concurrence on setting up of STOMD and SDOMD. Pakistan mentioned that they would act soon on these issues. I only hope and wish that the “soon” would actually be soon.” Sir, I understand that there is a strong apprehension in the Government about how Pakistan is going to act. My question is this: How is India going to engage with Pakistan in the coming days? Both India and Pakistan will have to engage in a meaningful dialogue to sort out our problems bilaterally.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Now, Shrimati Kanimozhi. Put just one question, in just one sentence.

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu): Sir, the Minister has said that attempts to distinguish between good and bad terrorists should be done away with. We all appreciate it and definitely support this.

Sir, these days, more and more educated youngsters are being brainwashed and drawn towards terrorism. There are reports suggesting that groups in Pakistan play a major part in that. Has the Minister brought up this issue there? A lot of youngsters in India are being drawn towards terrorism.

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (बिहार) : महोदय, मैं सबसे पहले माननीय गृह मंत्री, राजनाथ सिंह महोदय को मुबारकबाद देता हूँ कि वे पाकिस्तान गए और उन्होंने देश की तरफ से एक टफ स्टैंड लिया। इसमें पूरा देश आपके साथ है। श्रीमान्, पाकिस्तान की समस्या एक विकट समस्या है। जिस हिसाब से वहां पर आर्मी और आईएसआई का कंट्रोल है, आम जनता उससे त्रस्त है। मैं आपके माध्यम से आदरणीय गृह मंत्री महोदय से एक clarification चाहता हूँ कि क्या कोई ऐसा तरीका निकल सकता है कि जैसे वह हम लोगों को engage करता है, वैसे ही हम उन लोगों को वैसी language में engage करें? हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं? हमें यह करना चाहिए। इस संबंध में आपकी क्या राय है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Bhupender Yadav. Just put the question; that is all.

श्री भूपेंद्र यादव (राजस्थान): सम्माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय गृह मंत्री जी का अभिनन्दन करना चाहता हूँ कि उन्होंने सार्क देशों के इस सम्मेलन में भारत के आतंकवाद के विरुद्ध लड़ने की प्रतिबद्धता और दृढ़ता के संकल्प को अभिव्यक्त किया।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We are all doing that.

श्री भूपेंद्र यादव : मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि इस पत्र में उन्होंने एक अच्छा विषय दिया है कि 22-23 सितम्बर को anti-terrorism mechanism के एक्सपर्ट्स की जो मीटिंग होगी, उसमें भारत निश्चित रूप से एक पहल करके, पूरे सार्क देशों में सोशल मीडिया के माध्यम से भी जो

आतंकवादियों के glorification का कार्य किया जाता है, उसके खिलाफ भारत एक अच्छा मैकेनिज्म देगा और निश्चित रूप से गृह मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में इस विश्वास को भी जाहिर किया है।

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I join the LoP and other hon. Members in strongly condemning the manner in which protocol norms were not observed and, at the same time, support the strong statement made by our Home Minister on the issues of narcotics trade, smuggling and terrorism, which is a menace for the entire region. His participation was correct because India is an important member of SAARC and, therefore, the message that India has conveyed has relevance. Sir, India is sandwiched between two major drugs or narcotics smuggling regions of the world, that is, the Golden Crescent and the Golden Triangle.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): सर, मुझे भी एक सवाल पूछना है, इसलिए मुझे भी एक मिनट का समय दे दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI ANAND SHARMA: Therefore, in this meeting, were any assurances given by the member countries to check the narcotics trade, which is used to fund terror syndicates which operate from the soil of Pakistan?

Secondly, the very fact that terrorist outfits, which have been banned by the United Nations, and known terrorist leaders like Hafiz Sayeed, organizations like the Lashkar-e-Toiba and the Jamat-ud-Dawa, organized a public demonstration which was very hostile in nature when our Home Minister was present there, is strongly condemned by us. In the light of these developments, a review of our engagement would be called for. And, when the SAARC Summit takes place, I hope that the Government carefully considers the level of participation, particularly about the Prime Minister's participation because we would not like a repeat of what has happened during the Ministerial Meet on SARC. That is what we have to say.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the hon. Minister. ...**(Interruptions)**...

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, just one minute. ...**(Interruptions)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, hon. Minister...**(Interruptions)**...

श्रीमती विप्लव ठाकुर: सर, मुझे भी कुछ पूछना है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, that is enough. ...**(Interruptions)**... Nothing more...**(Interruptions)**... It is not possible. ...**(Interruptions)**... Hon. Minister, how much time do you need? ...**(Interruptions)**... आपको कितना टाइम चाहिए? ...**(व्यवधान)**... मंत्री जी, आपको कितने मिनट चाहिए?

श्री राजनाथ सिंह: सर, मैं दस मिनट के अंदर समाप्त करूँगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: इसका मतलब, I can allow two more questions. ...**(Interruptions)**...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नकवी): सर, 10 से 15 मिनट लग सकते हैं। ... (व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; hon. Minister, you start replying. ... (Interruptions)...

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, the hon. Minister. ... (Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; please sit down. ... (Interruptions) ... How can I allow everybody? ... (Interruptions) ... I cannot allow everybody. ... (Interruptions)...

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): सर, मैं भी एक सवाल पूछना चाहता हूँ। ... (व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I allowed all those who asked me in time. ... (Interruptions) ... Those who hear others and then try to ask question, that is not permitted. ... (Interruptions)...

मीर मोहम्मद फ़ैयाज (जम्मू और कश्मीर): सर, मुझे एक मिनट बोलने दीजिए। ... (व्यवधान)...

--- (مداخلت) --- جناب میر محمد فیاض: سر، مجھے ایک منٹ بولنے دیجئے

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are raising your hand only now. ... (Interruptions) ... This issue started at 11.15 and for 30 minutes you didn't raise your hand; you are raising your hand now. ... (Interruptions) ... Please sit down. ... (Interruptions) ... I am not allowing you. ... (Interruptions) ... I cannot allow more questions. ... (Interruptions)...

मीर मोहम्मद फ़ैयाज सर, मुझे भी कुछ पूछना है। ... (व्यवधान)...

--- (مداخلت) --- جناب میر محمد فیاض: سر، مجھے بھی کچھ پوچھنا ہے

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, it cannot be allowed like this. ... (Interruptions) ... You understand it. ... (Interruptions) ... I am not allowing you. ... (Interruptions) ... That way, it will not work. ... (Interruptions) ... It is not going on record. ... (Interruptions)...

मीर मोहम्मद फ़ैयाज: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The issue started at 11.15. At least in five or ten minutes you should give me the name. ... (Interruptions) ... You should raise your hand. ... (Interruptions) ... Every name is written here. ... (Interruptions) ... After thirty minutes, you are raising your hand. ... (Interruptions) ... I cannot allow it. ... (Interruptions) ... I am not allowing anybody. ... (Interruptions)...

मीर मोहम्मद फ़ैयाज: *

† Transliteration in Urdu script.

* Not recorded.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*... I am not allowing. ...*(Interruptions)*... आप आधे घंटे के बाद पूछ रहे हैं। आप पहले क्या कर रहे थे? ...*(व्यवधान)*... मंत्री जी, बोलिए। ...*(व्यवधान)*...

श्री राजनाथ सिंह: डिप्टी चेयरमैन सर, सबसे पहले मैं इस सदन के सभी दलों के नेताओं के प्रति और पूरे सदन के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। आतंकवाद जैसे गम्भीर विषय पर जो एकजुटता इस सदन ने दिखाई है, यह केवल इस सदन की एकजुटता नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की एकजुटता है। अब मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूँ कि आतंकवाद, जो हमारे देश में भी अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रहा है, उस आतंकवाद की जड़ों को उखाड़ने में हम लोग पूरी तरह से कामयाब होंगे, यह मेरा भरोसा और विश्वास है।

आज मेरे द्वारा दिए गए इस स्टेटमेंट पर हमारे नेता प्रतिपक्ष, जनाब गुलाम नबी आज़ाद साहब, डा. सुब्रमण्यम स्वामी जी, श्री देरेक ओब्राइन साहब, मायावती बहन, राम गोपाल जी, दिलीप जी, हमारे सम्मानित शरद यादव जी, श्री नवनीतकृष्णन जी, श्री माजीद मेमन साहब, डी. राजा साहब, कानीमोझी जी, भूपेंद्र यादव जी और हमारे आनन्द शर्मा साहब, इन सभी लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। मैं समझता हूँ कि बहुत सारे प्रश्नों का यदि मैं अलग-अलग उत्तर दूँगा तो उसमें लम्बा समय लगेगा, इसलिए मैं अपनी बात संक्षेप में ही यहां पर रखना चाहूँगा। हमारे नेता प्रतिपक्ष, जनाब गुलाम नबी आज़ाद साहब ने जो यह बात कही है कि आतंकवाद के सवाल पर हमारे बहुत सारे लोगों ने, बहुत सारे नेताओं ने कुरबानियां दी हैं, तो इसमें कहीं दो मत नहीं है और मुझे यह कहने में रंचमात्र भी गुरेज नहीं है कि हमारे देश के जो भी प्रधान मंत्री हुए हैं, चाहे वे किसी भी दल के रहे हैं, उन्होंने आतंकवाद को इस हिन्दुस्तान से उखाड़ फेंकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है और हर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर जितनी भी प्रभावी भूमिका का निर्वाह किया जा सकता है, वह सभी ने किया है। और आज के भी प्रधान मंत्री जी उसी प्रकार उसी दृढ़ता के साथ अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। अब हमारी वहां पर जो स्पीच थी, कवर की गई या नहीं की गई और कवर करने की ऐसी परम्परा पहले रही है या नहीं रही है, नहीं की गई, क्या डेलिबरेटली नहीं की गई, इसका इस समय उत्तर देना हमारे लिए कठिन होगा। हां, इतना, मैं कहूँगा कि मैं तो स्पीच दे रहा था, मैंने नहीं देखा कि उसका लाइव टेलीकास्ट हुआ या नहीं हुआ, लेकिन यह सच है कि भारत से जो दूरदर्शन और एएनआई के रिपोर्टर और हमारे पीटीआई के रिपोर्टर्स थे, उनको अंदर प्रवेश करने की इजाज़त नहीं दी गई। यह सच है। वहां के मंत्री के द्वारा अथवा वहां की सरकार के द्वारा मर्यादित व्यवहार मेरे साथ हुआ कि नहीं हुआ, डिप्टी चेयरमैन सर, यह बोलने में मुझे संकोच है। उन्हें जो करना था वह उन्होंने किया। मैं उस संबंध में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करना चाहता हूँ और मुझे कोई शिकवा-शिकायत नहीं है। लेकिन जहां तक हमारे भारत का सवाल है, मेहमाननवाज़ी में भारत की सारी दुनिया में साख है, अपनी उस साख को हमको बनाकर रखना है। हां, यह बात सच है कि मीटिंग समाप्त होने के बाद दोपहर को, जो होस्ट थे वहां के गृह मंत्री जी, उन्होंने सब को लंच पर आमंत्रित किया। लेकिन लंच पर आमंत्रित करने के बाद वे तुरन्त गाड़ी पर बैठे और चले गए। तो मुझे भी मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए, देश की मर्यादा का ध्यान रखते हुए जो कुछ भी करना था, वह मैंने भी किया। लेकिन मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूँ डिप्टी चेयरमैन सर, कि मुझे इसको लेकर कोई नाराजगी नहीं है। मैं वहां भोजन करने नहीं गया था।

[श्री राजनाथ सिंह]

जो भी वहां पर प्रदर्शन चल रहा था भारत के खिलाफ और हमारी पाकिस्तान की विजिट के खिलाफ, वह प्रदर्शन चल रहा था। पहले यह तय किया था कि मैं बाई रोड रावलपिंडी एयरवेज से सेरेना होटल जाऊंगा, लेकिन शायद वहां के सिक्योरिटी ऑफिशियल ने अंत में यह फैसला किया कि नहीं, मुझे बाई हेलिकॉप्टर ले जाना चाहिए। तो होटल के पास में एक हेलिपैड था, वहां पर बाई हेलिकॉप्टर वे ले गए। लेकिन हेलिकॉप्टर से उतर कर जब मैं होटल जाने लगा तो कई स्थानों पर लोग सौ, पचास, पच्चीस, दस, पांच की संख्या में खड़े थे और अपना विरोध दर्ज करा रहे थे। आप तो जानते हैं कि श्रीमन, यदि विरोध की चिंता रही होती तो मैं पाकिस्तान नहीं जाता। लेकिन उन्होंने किया। लेकिन अपनी तरफ से ऐसा कोई अवसर भी नहीं आया कि मैं यह विरोध दर्ज कराऊं अथवा अपनी बात वहां पर रखूं। मुझे आना था तो क्यों पाकिस्तान में विरोध हुआ। यह सब कुछ मैंने नहीं किया, कोई विरोध दर्ज वहां पर मैंने नहीं कराया है। वहां जो होना था वह हुआ है। एक बात कि हमारी जो स्पीच ब्लैक-आउट कर दी गई, अब वहां पर इससे पहले क्या परम्परा रही है, उसके बारे में मुझे विदेश मंत्रालय से विस्तृत जानकारी लेनी पड़ेगी कि क्या परम्परा रही है, उस परम्परा की जानकारी मुझे नहीं है, इसलिए उस संबंध में तो मैं कुछ नहीं कह पाऊंगा।

जहां तक बी.एस.एफ. की बात है, राम गोपाल जी ने पूछा कि सिक्योरिटी फोर्स को बार-बार अनुमति लेने की जरूरत न पड़े। डिप्टी चेयरमैन सर, मैं इस सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसी प्रकार के निर्देश हैं कि संयम से काम लें। गोली भी अपनी तरफ से चलाने की जरूरत नहीं है, पहल भी नहीं होनी चाहिए, लेकिन यदि चल जाती है तो उसके बाद क्या करना चाहिए, इसके लिए अनुमति लेने की कोई आवश्यकता नहीं है, यह बिल्कुल स्टैंडिंग ऑर्डर है, यह पहले से ही ऑर्डर है। वैसे हमारे जितने भी प्रधान मंत्री हुए हैं — आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की वह बात तो बहुत ही प्रचलित है, सारे हिन्दुस्तान में ही नहीं, दुनिया के दूसरे देशों में भी प्रचलित है कि दोस्त बदल जाते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदलता है। हमारे प्रधान मंत्री श्री मोदी जी ने जिस तरीके से दरियादिली दिखायी है, उसके पहले के प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह जी ने भी वहां जाकर एक प्रकार से अपनी सहानुभूति व्यक्त कर दी कि Pakistan is also a victim of terror. पड़ोसी के साथ बेहतर रिश्ते बनाने के लिए सब जितना अधिकतम कर सकते थे, हमारे सभी प्रधान मंत्रियों ने किया है, लेकिन विडंबना यह है कि इसके बावजूद यह पड़ोसी है कि मानता ही नहीं। महोदय, ज्यादा कुछ न कहते हुए मैं इतना ही कहूंगा कि परमात्मा सभी को सद्बुद्धि दे और सभी एकजुट होकर आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए खड़े हैं। इतना कहते हुए मैं पुनः सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): सर, कई मेंबर्स ने यह जानना चाहा कि क्या भारत की जो नीति अभी तक पाकिस्तान के साथ रही है, उस मामले में सरकार आज के हालात को देखते हुए क्या नए सिरे से पुनर्विचार करेगी? वहां बलूचिस्तान में भी उसी तरह के आंदोलन हो रहे हैं। Pak-occupied Kashmir के गिलगित क्षेत्र में भी लोग इसी तरह दमन के शिकार हो रहे हैं। इन तमाम चीजों को मद्देनजर रखते हुए क्या भारत सरकार इस बात पर समग्र चिंतन करके पुनर्विचार करेगी, कई सदस्य इस बात को जानना चाह रहे थे।

श्री राजनाथ सिंह: डिप्टी चेयरमैन सर, भारत सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना है या नहीं करना है, जहां तक इस प्रश्न का सवाल है, मैं समझता हूं कि इस संबंध में हम जो कुछ भी करेंगे, सबको विश्वास में लेकर करने की कोशिश करेंगे।

मीर मोहम्मद फ़ैयाज: डिप्टी चेयरमैन सर, जिस तरह से यहां पर एलओपी साहब और अन्य पार्टियों के सदस्यों ने कहा कि आतंकवाद के संबंध में हमारे होम मिनिस्टर साहब ने पाकिस्तान में जाकर अपना कड़ा रुख अपनाया। सर, इस आतंकवाद को इस देश में इस वक्त जो स्टेट सबसे ज्यादा भुगत रही है, वह हमारा जम्मू-कश्मीर है। पिछले 27 दिन से वहां पर, कहीं पर बंदिशें हैं, कहीं पर करफ्यू है, तकरीबन 50-60 बच्चे मर भी गए हैं। मैं चाहता हूं कि जिस तरह से GST पर हम सबने एक-जुट होकर उस बिल को पास किया, इसी तरह हम, जो वायदे हमने अपने लोगों के साथ, जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ सन् 1947 से लेकर 2016 तक, नेहरू जी से लेकर हमारे वाजपेयी जी ने, चाहे उसमें वर्किंग ग्रुप की सिफारिशें थीं, Interlocutors की जो रिपोर्ट है, उसको हम पार्लियामेंट में लाएं, उस पर बहस करें, ताकि हम अपने लोगों का दर्द समझें। यहां पर जो भी पार्टी होती है, वह कहती है कि कश्मीर भारत का अटूट अंग है। मैं भी यही कहूंगा। क्यों हमें यह शक है कि बार-बार हमें यह कहना पड़ता है? मैं भी कहूंगा, यूपी भारत का अटूट अंग है, गुजरात भारत का अटूट अंग है। अगर वह हमारा अटूट अंग है, अगर वे अपने लोग हैं तो हम अपने लोगों की बात यहां क्यों न कहें, पाकिस्तान वालों को क्यों करने दें? पाकिस्तान वाले बार-बार हमारे ऊपर क्यों यह करें? ...**(व्यवधान)**...

†جناب میر محمد فیاض (جموں و کشمیر): ڈپٹی چیئرمین سر، جس طرح سے یہاں پر ایل-او-پی۔ صاحب اور دیگر پارٹیوں کے سیدیوں نے کہا کہ آئٹک واد کے سمبندھ میں ہمارے ہوم منسٹر صاحب نے پاکستان میں جاکر اپنا کڑا رخ اپنایا۔ سر، اس آئٹک واد کو اس دیش میں اس وقت جو اسٹیٹ سب سے زیادہ بھگت رہی ہے، وہ ہمارا جموں کشمیر ہے۔ پچھلے 27 دن سے وہاں پر، کہیں پر بندشیں ہیں، کہیں پر کرفیو ہے، تقریباً پچاس- ساٹھ بجے مر بھی گئے ہیں۔ میں چاہتا ہوں کہ جس طرح سے جی-ایس-ٹی۔ پر ہم سب نے ایک جٹ ہو کر اس بل کو پاس کیا، اسی طرح ہم، جو وعدے ہم نے اپنے لوگوں کے ساتھ، جموں کشمیر کے لوگوں کے ساتھ سن 1947 سے لے کر 2016 تک، نہرو جی سے لے کر ہمارے واجپئی جی نے، چاہے اس میں ورکنگ گروپ کی سفارشات تھیں، Interlocutors کی جو رپورٹ ہے، اس کو ہم پارلیمنٹ میں لائیں، اس پر بحث کریں، تاکہ ہم اپنے لوگوں کا درد سمجھیں۔ یہاں پر جو بھی پارٹی ہوتی ہے، وہ کہتی ہے کہ کشمیر بھارت کا اٹوٹ انگ ہے۔ میں بھی یہی کہوں گا۔ کیوں ہمیں یہ شک ہے کہ بار بار ہمیں یہ کہنا پڑتا ہے؟ میں بھی کہوں گا، یوپی بھارت کا اٹوٹ انگ ہے، گجرات بھارت کا اٹوٹ انگ ہے۔ اگر وہ ہمارا اٹوٹ انگ ہے، اگر وہ اپنے لوگ ہیں تو ہم اپنے لوگوں کی بات یہاں کیوں نہ کہیں، پاکستان والوں کو کیوں کرنے دیں؟ پاکستان والے بار بار ہمارے اوپر کیوں یہ کریں؟ ---**(مداخلت)**---

† Transliteration in Urdu script.

12.00 Noon

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. Subbarami Reddy.

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, my point is that high quality counterfeit currency notes are coming from Pakistan and are in circulation in India. I want to draw the attention of the hon. Home Minister towards this.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Minister, if you wish to reply to these points, you can do so. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रताप सिंह बाजवा: एक मिनट पंजाब की बात भी सुन लीजिए, कश्मीर की तो आपने सुन ली। ..(*व्यवधान*)..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There are two minutes to Question Hour. ...(*Interruptions*)... Zero Hour mentions. ...(*Interruptions*)... Mr. Ram Kumar Kashyap. Two minutes only. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, पंजाब की बात भी सुन लीजिए। ..(*व्यवधान*)..

श्री उपसभापति: श्री राम कुमार कश्यप। नहीं हैं। So, next is Mr. Ritabrata Banerjee. You have only one minute. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, आपने कश्मीर की बात सुन ली है, पंजाब की भी सुन लीजिए। ...(*व्यवधान*)... It is very important, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I know that. ...(*Interruptions*)...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: They should have the guts to talk to Pakistan. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Are you speaking, Mr. Ritabrata Banerjee? ...(*Interruptions*)... Okay; tomorrow. ...(*Interruptions*)...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: What I want to say is that it is a very important matter. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What to do? ...(*Interruptions*)... Tell me what to do? ...(*Interruptions*)...

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, मिनिस्टर साहब तो चले गए। ...(*व्यवधान*)... We needed to ask him ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापति: उनको 12.00 बजे लोक सभा में जाना है। मैं क्या करूँ? ...(*व्यवधान*)...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: We wanted to ask him what he has done on Dawood Ibrahim. ...(*Interruptions*)... What has he done on the multiple ex-servicemen who are in the jails of Pakistan? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; now it is time for Question Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: What has he done on these issues? ...*(Interruptions)*... And to deal with Pakistan, they should have followed the policy of Mrs. Indira Gandhi. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is time for Question Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, what he is saying is, this was agreed that there would be a discussion ..*(Interruptions)*.. We can raise this matter ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He can meet me. ...*(Interruptions)*... Now, Question Hour. ...*(Interruptions)*... Question 211, Shrimati Kanimozhi. ...*(Interruptions)*... Order, please. ...*(Interruptions)*... Order, order. ...*(Interruptions)*... This is not permitted. Standing on the passage and walking is not permitted. ...*(Interruptions)*... No, no; standing on the passage and walking is not permitted. Talking is not permitted. ...*(Interruptions)*... Order, order. ...*(Interruptions)*... Bajwaji, what are you doing? It is Question Hour. What are you doing? What happened to you? Sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: Sir, I want to raise ..*(Interruptions)*..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, this is not the time for that. Sit down. If you have any grievance, come and meet me.

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: I have a grievance with the Home Minister, not with you, Sir. You have been always graceful.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Q. No. 211.

Replacement of conventional coaches with light-weight coaches

*211. SHRIMATI KANIMOZHI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government has decided to replace all conventional coaches with the light-weight Linke Hofmann Busch (LHB) coaches;

(b) if so, how allocation of LHB coaches to various Divisions of Railways is conducted;

(c) the number of LHB coaches allotted to various Divisions of Railways; and

(d) the number of LHB coaches put into service, so far, in the Southern Railway, which has 6,500 conventional coaches, the largest in the country?